DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Sir, we have brought the matter to the notice of Mr. Chairman. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record now. *...(Interruptions)...* Shri Anand Sharma now. *...(Interruptions)...* Please take your seats. *...(Interruptions)...*

DR. ALLADI P. RAJKUMAR:*

SHRI C. RAMACHANDRAIAH:*

श्री सभापतिः आप बैठिए अगर आप लोग इसी तरह से ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, मेरी बात सुन लीजिए। आप इन को बिठाइए। ...(**व्यवधान**)... अगर आप इसी तरह से व्यवहार करेंगे तो मुझे विचार करना पड़ेगा कि भविष्य में आप को permission दी जाए या नहीं। मैंने आज इसीलिए सारे क्वैश्चन लिए कि जिन मेंबर्स ने इस प्रकार के क्वैश्चन दिए, उन को dispose off कर दूं। आप ने सभी ने कहा कि दो-तीन मिनट बोलेंगे। अगर आप इस तरह से व्यवहार करेंगे तो आगे मैं भी वैसे ही देखूंगा।

Open Press Conference by CPI (M) in a village on Indo-Nepal Border and its links with LTTE and Maoists of Nepal

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Thank you, Mr. Chairman, Sir. Through you, Sir, I want to draw the attention of this House to a very serious development. On the 14th December, the CPI (Maoists), for the first time, had an open press conference in a village on Indo-Nepal border. And two of their front-ranking leaders, Praveen and Azad. addressed the press conference and hundreds of heavily armed guerrillas of the People's War Group were present. What gives it a serious dimension is that this conference took place (a) in a border village, (b) in **a** broad day light where the media was invited and the authorities had the information, but they were not in a position to prevent that.

श्री सभापतिः आप मुझे एक मिनट दे दें। आज लंच आवर नहीं होगा। जो आज का बिजनेस है, वह सारा पूरा खत्म होगा चाहे रात 8 बजे तक बैठना पड़े या 9 बजे तक बैठना पड़े।

श्री यशवंत सिन्हा (झारखंड)**:** सर, लंच के बाद बैठें।

श्री सभापतिः लंच तो आप कर आए हैं।

[THE VICE-CHAIRMAN (SHRI DINESH TRIVEDI) in the Chair]

*Not recorded.

SHRI ANAND SHARMA: Mr. Vice-Chairman, Sir, as I was mentioning, heavily armed guerrillas of the People's War Group were present there; and in the press conference, leaders of the CPI (Maoists) made two significant revelations. They said that they have been trained by the LITE. *...(Interruptions)...* I am surprised that I am raising such a serious matter but there has been a constant distraction. *...(Interruptions)...* I am actually surprised, Sir. *...(Interruptions)...*

What I am saying is that the very claim the the Maoists have been trained by the LTTE, must receive the urgent and serious attention of the Government and this House. They have also claimed that they work very closely with the Maoists in Nepal and they support each other. Now, if the State in that particular region was not in a position to prevent that, there is a need of a coordinated action both by the Government and by the concerned State Governments to address this issue, especially the gatherings in large numbers of armed guerrillas when they call PWG...*(Interruptions)...* Okay, all right, In addition to that, the concerned Government authorities have to identify the sources of weapons from where such sophisticated weapons are coming in large numbers into the country and take measures for the seizure of weapons and disarming these armed extremists. Thank you.

DR. CHANDAN MITRA (Nominated): Sir, I associate myself with this issue.

श्री एस.एस.अहलुवालिया (झारखंड): उपसभाध्यक्ष महोदय, आनन्द शर्मा जी ने जो मुद्दा उठाया है, मैं उससे अपने आपको संबंद्ध करते हुए यह कहना चाहता हूं कि वर्ष 2004 में जब आंध्र प्रदेश में पीडब्ल्यूजी का बैन विद्ड्रा किया गया था, तो उनको डिसआर्म नहीं किया गया था और उसी का नतीजा यह हुआ कि उन्होंने एक कंपेक्ट रिवोल्युशनरी जोन डिक्लेयर किया और यह डाऊन कर्नाटक से काठमांडू तक का नक्शा रिलीज किया। इसके एक वर्ष पहले इनके कमांडर इन चीफ मिस्टर प्रदीप का एक इंटरव्यू आया था और और उस इंटरव्यू में उन्होंने कुछ खुलासा किया था कि वे यह सब कुछ क्यों कर रहे हैं और कहां से वे आर्मरी लूट रहे हैं।

(श्री सभापति महोदय पीठासीन हुए।)

सभापति महोदय, प्रवीण और आजाद ने नेपाल बोर्डर पर 14 दिसंबर को जो प्रेस-कांफ्रेंस की है, उसमें भी उन्होंने उसी चीज का खुलासा किया है और उसमें एक नई बात रखी है कि उनको फाइटर्स को जो प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वह एलटीटीई द्वारा दिया जा रहा है। अब एलटीटीई को भी किसी ने प्रशिक्षण दिया था और उनसे प्रशिक्षण लेकर ट्रेनिंग देने का व्यापार उन्होंने शुरू

किया है। यह बहुत गंभीर मसला है। सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने एक बात और भी कही है कि नेपाल माओइस्ट जो ग्रुप है, उनके उनका कोई सरोकार नहीं है। उनके पास चाइनीज ओरिजन के और पाकिस्तानी ओरिजन के आर्म्स एंड एम्युनेशन पाए गए हैं, जो सारे सोपिस्टिकेटेड मार्म्स एंड एम्युनेशन है।

महोदय, हम सरकार से जानना चाहते हैं कि क्या सरकार को इसकी इंफोरमेश है? क्योंकि प्रवीण और आजाद भारत के इसी पूरे सीआर जेड के एरिए से गुजर कर काठमांडू के बोर्डर पर पहुंचे, जहां पर उन्होंने इतनी बड़ी यह प्रेस कांफ्रेस करके इस बात की घोषणा की। इसी चीज को मद्देनजर रखते हुए भारत सरकार से हम मांग करते हैं कि वहसदन को बताए कि क्या वह इसको गंभीरता से ले रही है और गंभीरता से लेकर आगे क्या कार्यवाई करने जा रही है? धन्यवाद।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाला (मध्य प्रदेश): सर, मैं इससे अपने को संबंद्ध करता हूं।

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार): सभापति जी, मैं इससे अपने को संबंद्ध करता हूं, लेकिन एक ही बिन्दु की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। सर, जिस कांफ्रेस के बारे में अभी चर्चा हुई है और जिस नक्शे के बारे में चर्चा हुई है, उस नक्शे में भारत से जुड़े हुए जो गांव सीमावर्ती इलाके में है, खासकर बिहार में है, ऐसे कई गांवों को उन्होंने अपने नक्शे में दिखाया है।

श्री सभापति: वह सब देखा है नक्शा।

श्री मंगनी लाल मंडल: और कहा है कि नेपाल की सीमा जो भारत की सीमाओं से लगती है, उस आलोक में हम कार्रवाई करेंगे। इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। धन्यवाद।

Death of 42 persons in a stampede at MGR Nagar Chennai

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, it is a matter of sorrow and concern for all of us *...(Interruptions)...*

SHRI P.G. NARAYANAN (Tamil Nadu): Sir, this is a State matter. How can he raise it here? *...(Interruptions)...*

श्री एस.एस.अहलुवालिया (झारखंड): सर, श्री नारायणसामी जी जो मुद्दा उठाने जा रहे हैं, इसमें होना यह चाहिए था कि जैसे सुनामी के वक्त आपने चेयर से आबिच्युरी रिफरेंसिजस दिए थे, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर भी चेयर से आबिच्युरी रिफरेंसिज होने चाहिए थे, न कि इस पर टीका-टिप्पणी होनी चाहिए थी। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजू परमार (गुजरात): अहलुवालिया जी, अभी इन्हें बोलने तो दीजिए। ...(**व्यवधान**)...